RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

DATE
जून
04
2025

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors

By Ankit Avasthi Sir

भारत-जापान समुद्री सहयोग / India-Japan Maritime Cooperation

संदर्भ:

भारत और जापान ने समुद्री क्षेत्र में आपसी सहयोग को और प्रगाढ़ करने पर औपचारिक रूप से सहमति व्यक्त की है। इस पहल के तहत दोनों देशों ने क्षेत्रीय सहयोग को मजबूत करने और समुद्री सुरक्षा व स्थिरता के प्रति अपनी साझा प्रतिबद्धता को दोहराया है।

भारत-जापान समुद्री सहयोग: प्रमुख बिंदु-

स्मार्ट द्वीप और नवीकरणीय ऊर्जा:

- जापान अंडमान-निकोबार व लक्षद्वीप द्वीपों को स्मार्ट ग्रीन द्वीप में बदलने में सहयोग देगा।
- इसमें नवीकरणीय ऊर्जा, आपदा-रोधी बुनियादी ढांचा, और सतत समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र की स्थापना शामिल है।

बंदरगाह डिजिटलीकरण और उत्सर्जन में कमी:

- दोनों देशों ने डिजिटल तकनीकों के उपयोग से बंदरगाह संचालन को अधिक कुशल और कम कार्बन उत्सर्जन वाला बनाने पर सहमति जताई।
- यह भारत की स्मार्ट पोर्ट पहल के अनुरूप है।

नौसैनिक कर्मियों का कौशल विकास और रोजगार:

- भारत के 1.54 लाख से अधिक प्रशिक्षित नाविकों में से कई की जापान में भर्ती में रुचि दिखाई गई है।
- इससे जापान की कुशल श्रमिकों की कमी को पूरा करने में मदद मिलेगी।

समुद्री अवसंरचना में निवेश:

- जापान की इमाबारी शिपबिल्डिंग कंपनी आंध्र प्रदेश में ग्रीनफील्ड शिपयार्ड परियोजना प्रस्तावित कर रही है।
- यह भारत की Maritime India Vision 2030 के तहत घरेलू जहाज निर्माण क्षमता को मजबूत करेगा।

अनुसंधान एवं तकनीकी सहयोग:

- कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (CSL) के माध्यम से R&D और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण पर सहमति।
- इसमें स्वच्छ ईंधन वाले पोत, स्वचालित जहाज निर्माण और अगली पीढ़ी की जहाज डिज़ाइन पर सहयोग शामिल है।

समुद्री समझौते का महत्व-

- **रणनीतिक लाभ:** यह भारत की इंडो-पैसिफिक समुद्री सुरक्षा और बंदरगाह लॉजिस्टिक्स में स्थिति को मजबूत करता है।
- **हरित नौवहन (Green Shipping):** भारत के कार्बन-न्यूट्रल समुद्री लॉजिस्टिक्स के दृष्टिकोण को समर्थन, Maritime Amrit Kaal Vision 2047 के अनुरूप।
- **रोजगार सृजन:**
  - जापान में कुशल नौसैनिक श्रमिकों की कमी को भरने के लिए भारत के प्रशिक्षित नाविकों का उपयोग।
  - भारतीय नाविक वैश्विक समुद्री कार्यबल का लगभग 10% हिस्सा हैं।

भारत-जापान संबंधों की रूपरेखा-

ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंध:

- प्राचीन बौद्ध धरोहर से जुड़ाव।
- स्वामी विवेकानंद, रवींद्रनाथ ठाकुर, न्यायमूर्ति राधा बिनोद पाल जैसे महान व्यक्तियों की भूमिका।

WWII के बाद मैत्री संधि: 1952 में भारत ने जापान के साथ सबसे पहले शांति संधि पर हस्ताक्षर किए, क्षतिपूर्ति के सभी दावों को छोड़ते हुए।

रणनीतिक साझेदारी:

इंडो-पैसिफिक दृष्टिकोण: साझा दृष्टिकोण – "Free and Open Indo-Pacific" और "Indo-Pacific Oceans Initiative"।

क्वाड भागीदारी: भारत और जापान अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के साथ Quad के सदस्य।

Supply Chain Resilience Initiative (SCRI): चीन पर निर्भरता घटाने के लिए विविध आपूर्ति श्रृंखला पर सहयोग।

रक्षा सहयोग:

- JIMEX, Dharma Guardian (सेना) अभ्यास।
- 2+2 वार्ता, Acquisition and Cross-Servicing Agreement (ACSA) जैसे समझौते।
- UNICORN mast system जैसे रक्षा उपकरणों के सह-निर्माण पर फोकस।

आर्थिक साझेदारी:

- **बढ़ता व्यापार:** 2023-24 में द्विपक्षीय व्यापार – लगभग **22.85 अरब डॉलर**।
- **निवेश लक्ष्य:** 2027 तक 5 ट्रिलियन येन (₹3.2 लाख करोड़) का सार्वजनिक-निजी निवेश लक्ष्य।
- **FDI में योगदान:** जापान भारत का पांचवां सबसे बड़ा FDI स्रोत, 1400+ जापानी कंपनियाँ भारत में सक्रिय।
- **CEPA समझौता:** Comprehensive Economic Partnership Agreement के तहत व्यापार को बढ़ावा।
- **Official Development Assistance (ODA):** जापान 1958 से भारत का सबसे बड़ा द्विपक्षीय दाता, विशेषकर अवसंरचना परियोजनाओं में।

परमाणु साझाकरण मॉडल / Nuclear Sharing Model

संदर्भ:

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा है कि फ्रांस अपने परमाणु हथियारों को अन्य यूरोपीय देशों में तैनात करने की संभावना पर "संवाद के लिए तैयार" है। यह बयान यूरोप की सामूहिक सुरक्षा और रणनीतिक स्वायत्तता को लेकर जारी चर्चाओं के बीच महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच सुरक्षा चिंताएँ:

- यह पहल यूरोप की सुरक्षा चिंताओं के बीच आई है, जो रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण बढ़ी हैं।
- फ्रांस की यह सोच उसकी नीति "European Strategic Autonomy" से मेल खाती है – जिसमें यूरोपीय संघ को सुरक्षा और रक्षा मामलों में स्वतंत्र रूप से कार्य करने की क्षमता विकसित करने पर बल है।

फ्रांस का पारंपरिक रुख:

- फ्रांस ने अब तक अपनी परमाणु क्षमता को पूरी तरह राष्ट्रीय हथियार माना है।
- परमाणु प्रतिरोधक क्षमता की स्वतंत्रता की रक्षा फ्रांस की रक्षा नीति का आधार रही है।
- अब इस दिशा में खुलापन दिखाना रणनीतिक सोच में बदलाव को दर्शाता है।

परमाणु साझाकरण (Nuclear Sharing) क्या है?

- इसमें परमाणु हथियार संपन्न देश (जैसे अमेरिका या फ्रांस) अपने हथियारों को गैर-परमाणु सहयोगी देशों में तैनात करता है।
- NATO में अमेरिकी मॉडल वर्षों से लागू है –
  - अमेरिका के B61 परमाणु बम वर्तमान में बेल्जियम, जर्मनी, इटली, नीदरलैंड और तुर्किये में तैनात हैं।
- **कानूनी स्वामित्व और नियंत्रण अमेरिका के पास ही रहता है।**
- फैसले का अधिकार भी केवल अमेरिकी राष्ट्रपति के पास रहता है, पर NATO से परामर्श किया जाता है।

प्रभाव: रणनीतिक सशक्तिकरण बनाम जोखिम-

- नाटो की परमाणु उपस्थिति बढ़ाकर रूस के प्रति प्रतिरोधक प्रभाव बढ़ सकता है।
- यह यूरोपीय संकल्प को भी दर्शाएगा।
- लेकिन रूस इस कदम को एक बड़ा उकसाव मान सकता है, और उसने पहले भी "सैन्य-तकनीकी प्रतिक्रिया" की चेतावनी दी है।
- रूस लगातार NATO के पूर्व की ओर विस्तार का विरोध करता रहा है।

क्या यह अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत वैध है?

- **1968 का परमाणु अप्रसार संधि (NPT)** इस विषय पर मुख्य अंतरराष्ट्रीय कानून है।
- **अनुच्छेद I:**
  - परमाणु हथियार संपन्न देशों को *हथियारों या उनके नियंत्रण के किसी भी रूप* के हस्तांतरण से रोकता है।
- **NATO का तर्क:**
  - *शांतिपूर्ण समय में कोई कानूनी हस्तांतरण नहीं होता*, इसलिए यह *NPT के अनुरूप* है।
- हालांकि, परमाणु अप्रसार समर्थक संगठन और शोध संस्थान इस व्याख्या को लगातार *चुनौती* दे रहे हैं।

निष्कर्ष:

- फ्रांस की इस नई सोच से *यूरोपीय सुरक्षा ढांचे में बड़ा बदलाव* संभव है।
- लेकिन यह कदम *रूस के साथ तनाव और टकराव को बढ़ा सकता है।*
- इससे *परमाणु हथियारों के नियंत्रण और गैर-प्रसार* पर *नई बहसें* भी तेज होंगी।

NATO (नाटो) के बारे:

- **परिचय:** NATO (North Atlantic Treaty Organization) एक सैन्य गठबंधन है। इसका **उद्देश्य** सदस्य देशों की सामूहिक सुरक्षा और रक्षा सुनिश्चित करना है।
- **स्थापना:** 1949
- **संधि:** North Atlantic Treaty (जिसे Washington Treaty भी कहा जाता है) पर हस्ताक्षर के साथ गठित हुआ।
- **उद्देश्य:** "Collective Defense" (सामूहिक रक्षा) सिद्धांत पर आधारित –
- यदि किसी एक सदस्य देश पर हमला होता है, तो उसे सभी देशों पर हमला माना जाएगा।
- यह सिद्धांत अनुच्छेद 5 में वर्णित है।

हीट वेव्स / Heat Waves

संदर्भ:

भारत लगातार भीषण और गंभीर लू (Heatwaves) का सामना कर रहा है। वर्ष 2024 और 2025 की शुरुआत में कई क्षेत्रों में रिकॉर्ड तोड़ तापमान दर्ज किया गया और गर्मी की लहरें सामान्य से काफी पहले शुरू हो गईं। यह स्थिति जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय असंतुलन की चिंताजनक चेतावनी मानी जा रही है।

हीट वेव्स (Heat Waves): भारत में बढ़ता जलवायु संकट

हीट वेव क्या है?

- अत्यधिक उच्च तापमान की स्थिति जो किसी क्षेत्र के सामान्य जलवायु से अधिक होती है।
- **मानदंड (IMD के अनुसार):**
  - मैदानी क्षेत्रों में तापमान ≥ 40°C
  - पर्वतीय क्षेत्रों में तापमान ≥ 30°C
- नमी, तेज़ हवाएं, और लंबी अवधि इसकी गंभीरता को बढ़ा देती हैं।

प्रभाव:

- **ILO (अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन):** भारत को हीटवेव के कारण $100 बिलियन का उत्पादकता नुकसान, विशेष रूप से असूचित और बाहरी श्रमिकों को प्रभावित किया – जैसे किसान, निर्माण श्रमिक, डिलीवरी कर्मी।
- **विश्व बैंक:** भारत की 75% कार्यशील आबादी (लगभग **380 मिलियन**) गर्मी-संवेदनशील क्षेत्रों में कार्य करती है।
- **कृषि पर प्रभाव:**
  - गेहूं की उपज में 1°C बढ़ने पर 5.2% की गिरावट।
  - पशुधन भी प्रभावित।
- **शहरी क्षेत्रों में:** Urban Heat Island प्रभाव – पक्के ढांचे गर्मी को बनाए रखते हैं, जिससे रात में भी तापमान कम नहीं होता।
- **CEEW रिपोर्ट:**
  - 57% भारतीय ज़िले हीट वेव के उच्च जोखिम में।
  - दिल्ली, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश अत्यधिक संवेदनशील राज्य।
- तीव्र शहरीकरण और कमज़ोर आवास व्यवस्था से Tier-II और Tier-III शहरों में जोखिम बढ़ा।

हीटवेव से निपटने के लिए सरकारी उपाय: केंद्र व राज्य स्तर पर प्रयास

राष्ट्रीय स्तर की पहल

- **राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA)** और **गृह मंत्रालय** द्वारा विस्तृत दिशानिर्देश जारी:
  - श्रमिकों की सुरक्षा के लिए शिक्षा, कार्य के समय को नियंत्रित करना, जल की उपलब्धता, चिकित्सा सहायता, व उचित वस्त्रों की व्यवस्था पर ज़ोर।
  - ये दिशानिर्देश शहर व कस्बों के लिए हीटवेव एक्शन प्लान तैयार करने का आधार बनते हैं।

स्थानीयकृत हीट एक्शन प्लान्स:

- कई राज्य व नगर निगम अब स्थानीय स्तर तक विस्तृत योजना अपना रहे हैं – कुछ वार्ड स्तर तक।
- **प्रमुख उपाय:**
  - **स्वल्पकालिक:** जल केंद्र, छायादार सार्वजनिक आश्रय (जैसे - ठंडे बस स्टॉप)।
  - **दीर्घकालिक:** शहरी हरियाली बढ़ाना, जल स्रोतों का विस्तार।
- **उदाहरण:** चेन्नई ने अर्बन हीट आइलैंड्स को मैप कर इसे शहर मास्टर प्लान में शामिल किया है।

शहरी केंद्रितता और ग्रामीण उपेक्षा

- अभी की अधिकतर योजनाएं शहरी क्षेत्रों तक सीमित हैं – जनसंख्या घनत्व और बुनियादी ढांचे के कारण।
- लेकिन **ग्रामीण क्षेत्र** अधिक संवेदनशील हैं, कारण:
  - कमज़ोर स्वास्थ्य ढांचा
  - खराब आवास व्यवस्था
  - जल, बिजली और स्वच्छता की सीमित पहुंच
- परिणामस्वरूप, ग्रामीण जनता हीट स्ट्रोक और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के प्रति अधिक असुरक्षित है।

वित्त और रणनीतिक योजना

- राज्य आपदा प्रबंधन कोष (State Disaster Management Fund) से तात्कालिक आवश्यकताओं को पूरा किया जा सकता है।
- लेकिन विशेषज्ञ दीर्घकालिक निवेश और रणनीतिक योजना की आवश्यकता पर ज़ोर देते हैं:

पैराग्वे / Paraguay

संदर्भ:

पैराग्वे के राष्ट्रपति सैंटियागो भारत की राजकीय यात्रा पर आए हुए हैं। यह दौरा दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को सुदृढ़ करने और आपसी सहयोग के नए क्षेत्रों को तलाशने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

पैराग्वे के बारे में महत्वपूर्ण तथ्य-

भौगोलिक स्थिति:

- **पैराग्वे** दक्षिण अमेरिका का एक स्थलरुद्ध (landlocked) देश है।
- **सीमाएँ:**
    - दक्षिण व दक्षिण-पश्चिम में – अर्जेंटीना
    - पूर्व व उत्तर-पूर्व में – ब्राज़ील
    - उत्तर-पश्चिम में – बोलीविया
- कर्क रेखा (Tropic of Capricorn) इस देश से होकर गुजरती है।

अंतरराष्ट्रीय संबंध और व्यापार:

- **MERCOSUR** (दक्षिण अमेरिकी व्यापार समूह) का सदस्य, जिसमें ब्राज़ील, अर्जेंटीना और उरुग्वे भी शामिल हैं।
- **भारत और MERCOSUR** के बीच Preferential Trade Agreement (PTA) है, जिसके तहत सीमित उत्पादों पर रियायती शुल्क लागू होता है।
- **पैराग्वे की रुचि:**
    - भारत के साथ व्यापार, निवेश और तकनीकी सहयोग को बढ़ावा देने की।

ध्रुव / DHRUVA

संदर्भ:

डाक विभाग ने DHRUVA (Digital Hub for Reference and Unique Virtual Address) नामक एक व्यापक नीति दस्तावेज़ जारी किया है। इस पहल का उद्देश्य देशभर में एक राष्ट्रीय डिजिटल पता डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (DPI) स्थापित करना है, जिससे पता प्रणाली को अधिक आधुनिक, सटीक और सुलभ बनाया जा सके।

क्या है DHRUVA?

- **पूरा नाम:** Digital Handle for Routing and Unique Verifiable Address
- **विकासकर्ता:** भारत का डाक विभाग (Department of Posts)
- **प्रमुख उद्देश्य:** भारत में हर घर को एक विशिष्ट डिजिटल पता प्रदान करना।

उद्देश्य:

- **पता सूचना प्रबंधन** को एक मूलभूत सार्वजनिक अवसंरचना के रूप में स्थापित करना।
- **सटीक और एकीकृत पता साझाकरण** के माध्यम से प्रभावी शासन, समावेशी सेवा वितरण, और बेहतर उपयोगकर्ता अनुभव सुनिश्चित करना।

DHRUVA की संरचना:

1. **Digital Postal Index Number (DIGIPIN)**
    - 10-अंकीय अल्फ़ा-न्यूमेरिक कोड
    - भारत की भूमि को 4×4 मीटर ग्रिड में विभाजित कर अक्षांश-देशांतर के आधार पर दिया गया।
    - हर DIGIPIN एक विशिष्ट स्थान को इंगित करता है – जिससे पते में अस्पष्टता या पुनरावृत्ति समाप्त होती है।
2. **Digital Address Layer**
    - उपयोगकर्ता-केंद्रित और सहमति-आधारित परत
    - उपयोगकर्ता अपना पता कस्टम लेबल (जैसे - "Home", "Office", "Warehouse") के साथ जोड़ सकता है।
    - इसमें परिवर्णात्मक विवरण (जैसे लैंडमार्क, फ़्लोर संख्या, मकान का नाम) भी जुड़ सकते हैं, जबकि भौगोलिक सटीकता बनी रहती है।

भारत जेन / Bharat Gen

संदर्भ:

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय में स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री ने '**भारत जेन (Bharat Gen)**' पहल का शुभारंभ किया है। यह पहल देश में जैव विविधता, अनुवांशिक अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

भारत का पहला सरकारी बहुभाषी:

परिचय:

- **BharatGen** भारत का पहला सरकारी वित्तपोषित मल्टीमोडल लार्ज लैंग्वेज मॉडल (LLM) है।
- यह 22 भारतीय भाषाओं में काम करता है और टेक्स्ट, वाणी व छवि को एकीकृत करता है।
- इसका उद्देश्य नैतिक, समावेशी और क्षेत्रीय जरूरतों के अनुसार AI समाधान प्रदान करना है।

विकास एवं समर्थन:

- **विकासकर्ता संस्था:** IIT Bombay का TIH Foundation
- **मिशन:** राष्ट्रीय इंटरडिसिप्लिनरी साइबर-फिजिकल सिस्टम मिशन (NM-ICPS) के तहत
- **सहयोगी संस्था:** विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (DST)
- यह परियोजना शीर्ष शैक्षणिक संस्थानों, विशेषज्ञों, और उद्यमियों के मजबूत संघ का परिणाम है।

महत्व और उपयोगिता:

- **लक्षित क्षेत्र:** स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि और शासन
- **विशेष उपयोग:**
    - टेलीमेडिसिन में डॉक्टर और रोगी की स्थानीय भाषा में बातचीत संभव बनाता है।
    - इससे दूर-दराज़ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच और विश्वास में वृद्धि होती है।
    - शिक्षा व कृषि में स्थानीय भाषाओं में संवाद और जानकारी देना अधिक आसान होगा।

एशियाई विकास बैंक / ADB

संदर्भ:

एशियाई विकास बैंक (ADB) के अध्यक्ष ने हाल ही में भारत में शहरी बुनियादी ढांचे को रूपांतरित करने के लिए एक पांच वर्षीय पहल की घोषणा की है। इस योजना के तहत लगभग **10 अरब अमेरिकी डॉलर** के निवेश का अनुमान है, जो देश के शहरी विकास और सतत अवसंरचना निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

एशियाई विकास बैंक (Asian Development Bank - ADB)

परिचय:

- **स्थापना:** 19 दिसंबर 1966
- **प्रकार:** बहुपक्षीय विकास बैंक (Multilateral Development Bank)
- **मुख्यालय:** मनीला, फिलीपींस
- **उद्देश्य:**
    - एशिया-प्रशांत क्षेत्र में समृद्धि, समावेशिता, लचीलापन और सतत विकास को बढ़ावा देना
    - क्षेत्र में अत्यधिक गरीबी को समाप्त करने के प्रयास करना

कार्य व भूमिकाएं

- विकासशील सदस्य देशों, निजी क्षेत्र और पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप्स को सहायता प्रदान करता है
- सहायता के साधन: ऋण, अनुदान, तकनीकी सहायता, और इक्विटी निवेश
- नीतिगत संवाद, सलाहकार सेवाएं, और सह-वित्त पोषण के माध्यम से अधिकतम विकास प्रभाव सुनिश्चित करता है
- **6 प्राथमिक क्षेत्र:** शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन, ऊर्जा, वित्त, जलवायु परिवर्तन
- NGOs और निजी कंपनियों के साथ मिलकर पूंजी बाजार और व्यापारिक ढांचे को मजबूत करता है

सदस्यता संरचना

- सदस्यता:
    - संयुक्त राष्ट्र की एशिया व सुदूर पूर्व आर्थिक आयोग (ECAFE) के सदस्य एवं सह-सदस्य
    - UN या उसकी विशेष एजेंसियों के सदस्य क्षेत्रीय और गैर-क्षेत्रीय विकसित देश
- **कुल सदस्य:** 69
    - 20 गैर-क्षेत्रीय सदस्य (यूरोप, उत्तरी अमेरिका आदि से)

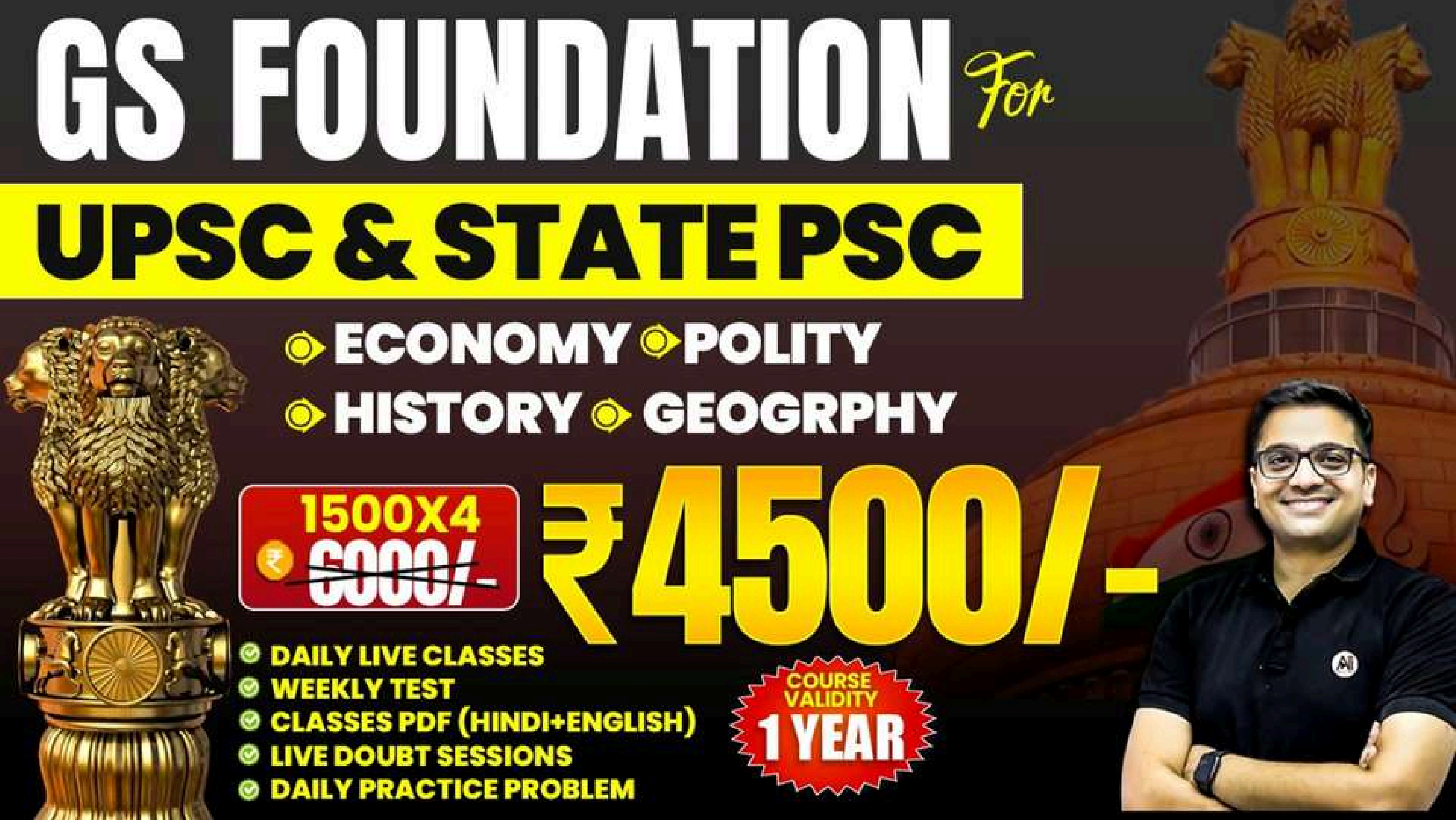
GS FOUNDATION For
UPSC & STATE PSC
ECONOMY
POLITY
HISTORY
GEOGRPHY
1500X4
₹ 6000/-
₹4500/-
DAILY LIVE CLASSES
WEEKLY TEST
CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
LIVE DOUBT SESSIONS
DAILY PRACTICE PROBLEM
COURSE VALIDITY
1 YEAR

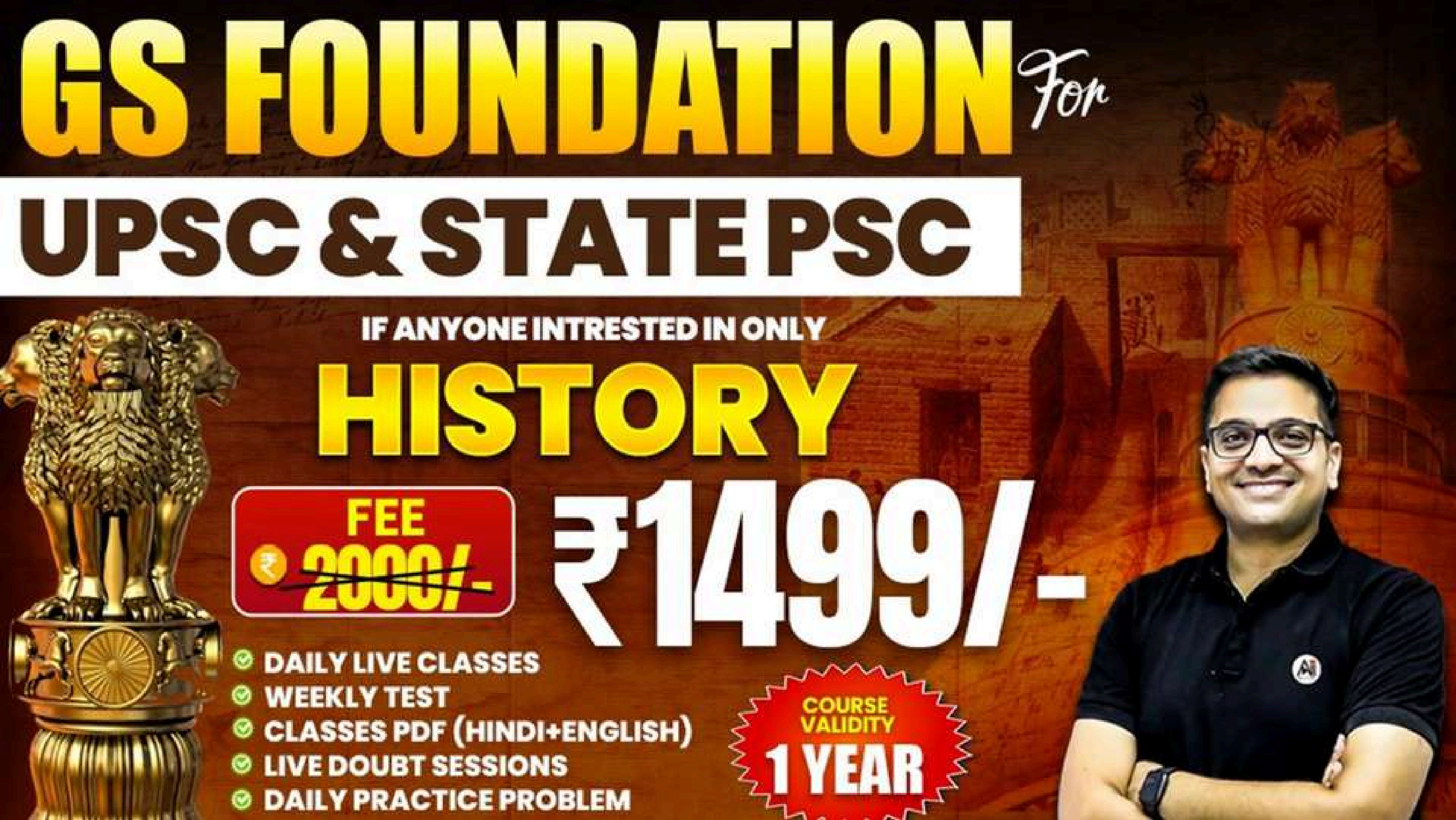
GS FOUNDATION For
UPSC & STATE PSC
IF ANYONE INTRESTED IN ONLY
HISTORY
FEE
₹ 2000/-
₹1499/-
DAILY LIVE CLASSES
WEEKLY TEST
CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
LIVE DOUBT SESSIONS
DAILY PRACTICE PROBLEM
COURSE VALIDITY
1 YEAR

GS FOUNDATION For
UPSC & STATE PSC
IF ANYONE INTRESTED IN ONLY
ECONOMY
FEE
₹ 2000/-
₹1499/-
DAILY LIVE CLASSES
WEEKLY TEST
CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
LIVE DOUBT SESSIONS
DAILY PRACTICE PROBLEM
COURSE VALIDITY
1 YEAR

जानिए
भारतीय संविधान
CONSTITUTION OF INDIA
मात्र
1499/- Year
Enroll Now !
1 year validity

GS FOUNDATION
Hand Written Notes
Pathshala
भारतीय भूगोल
भौतिक तथा विश्व भूगोल
भारत तथा विश्व की अर्थव्यवस्था
भारतीय संविधान एवं राजव्यवस्था
प्राचीन तथा मध्यकालीन भारत का इतिहास, कला एवं संस्कृति
आधुनिक भारत एवं विश्व का इतिहास
BEST OFFER
1999Rs
4 पुस्तकों का सम्पूर्ण सेट
अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....
7878158882
Bilingual
By Ankit Avasthi Sir

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,

और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

MONTHLY MAGAZINE

FREE!

अधिक जानकारी के लिए दिए गए
नंबर पर संपर्क करें....

7878158882

Billingual

ANKIT AVASTHI SIR

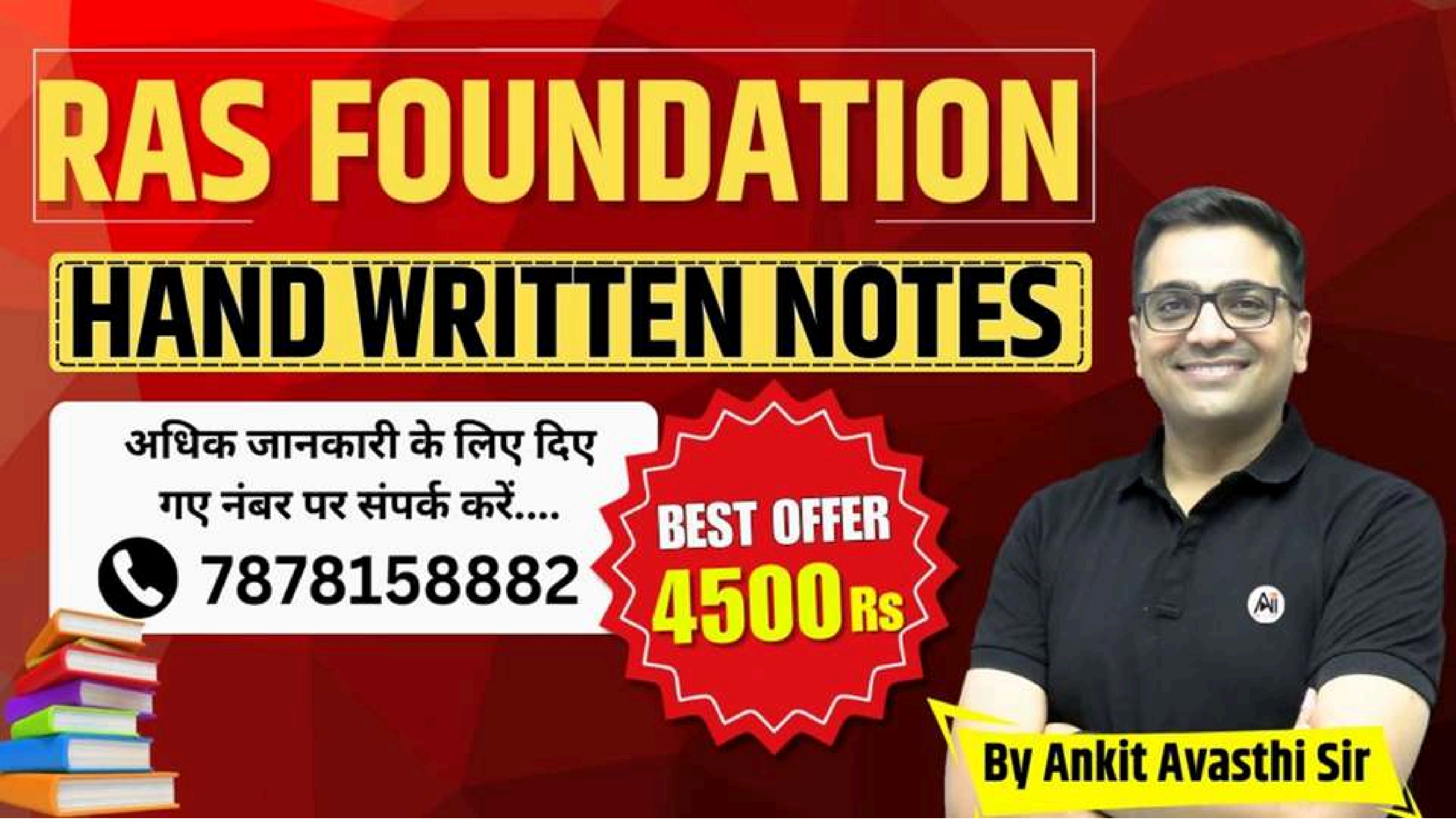
RAS FOUNDATION
HAND WRITTEN NOTES
अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....
7878158882
BEST OFFER
4500 Rs
By Ankit Avasthi Sir

RRB NTPC
TEST SERIES
100+ Mock Test
78 Sectional Test
40+ years PYPs
60+ Current affairs
TEST
Only
99
Per
Year
Buy Now

APNI PATHSHALA

Apni Pathshala
एक कदम उज्ज्वल भविष्य की ओर

UPPSC,RO/ARO,BPSC,UP TEST SERIES

UPPSC
(TEST SERIES)
299/- YEAR
- 35+ MOCK TESTS
- 40+ PYQ'S
- 180+ TOPIC WISE TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

RO/ARO
(TEST SERIES)
ONLY 299/- YEAR
- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

BPSC
(TEST SERIES)
ONLY 299 YEAR
- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

SSC (TEST SERIES)
ONLY 99/- YEAR
- 30 MOCK TESTS
- 28+ YEAR PYP
- 12 SECTIONAL TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

RPF (TEST SERIES)
ONLY 99/- YEAR
- 40 MOCK TESTS
- 2 YEAR PYQ'S
- 4 SECTIONAL TEST
- 10 PRACTICE TEST
- 60 CURRENT AFFAIRS

Download | Application
Apni Pathshala
7878158882

Apni.Pathshala
Avasthiankit
AnkitAvasthiSir
kaankit

ANKIT AVASTHI SIR

CALL CENTRE
HOW MAY I HELP YOU
7878158882
AnkitInspiresIndia
Download "Apni Pathshsla" app now!
Follow us: